ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८२
दिनांक- मंगलवार, ०१ नवम्बर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.1 एवं 16.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 48 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 22.3 एवं दोपहर में 31.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(02–06 नवम्बर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 02–06 नवम्बर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन 3 से 5 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले 3 दिनों तक पछिया तथा उसके बाद पूरवा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाई धान की कटनी तथा दौनी के कार्य को उच्च प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें।
- राई, मसुर, सुर्यमुखी, लहसुन, शरदकालीन गन्ना, मटर, राजमा की बुआई प्राथमिकता से करें। सब्जियों में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें एवं कीट तथा रोग–व्याधि का नियमित रुप से निरीक्षण करें।
- रबी मक्का की बुआई जल्द से जल्द करें। इसके लिए संकर किस्में शक्तिमान 1 सफेद, शक्तिमान 2 सफेद, शक्तिमान–3 पीला, शक्तिमान 4 पीला, शक्तिमान–5 पीला, गंगा 11 नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का 1, राजेन्द्र संकर मक्का 2 एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में– देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुसंषित है। खेत की जुताई में 100–150 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्रम नेत्रजन, 75 किलोग्रम फास्फोरस एवं 50 किलोग्रम पोटाष प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर 20 किलोग्रम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 60X20 से0मी0 रखें।
- गेहूँ एवं चना की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। गेहूँ बुआई के लिए अब मौसम अनुकुल हो रहा है। खेत के आसपास के मेड़, नालियॉ एवं रास्तो में उगे जंगलो की सफाई करें। गोबर की सड़ी खाद 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें।
- आलू की रोपनी के लिए तापमान अनुकूल हो रहा है। अतः किसान भाई खेत की तैयारी एवं रोपाई शुरु करें। कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू– 1, राजेन्द्र आलू– 2 तथा राजेन्द्र आलू–3 इस क्षेत्र के लिए अनुसंषित किस्में है। बीज दर 20–25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दुरी 50–60 से0मी0 एवं बीज से बीज की दुरी 15–20 से0मी0 रखें। आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर 24 घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के 0.5 प्रतिषत घोल या डाइथेन एम0 45 के 0.2 प्रतिषत घोल में 10 मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (20–40 ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट 200–250 क्विटल, 75 किलोग्रम नेत्रजन, 90 किलोंग्रम फास्फोरस एवं 100 किलोग्रम पोटाष प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- मसुर के मल्लिका(के0–75), अरुण (पी0एल0 77–12), बी0आर0–25 के0एल0एस0– 218, एच0यू0एल0–57, पी0एल0–5 एवं डब्लू0वी0एल0 77 किस्मो की बुआई करें। बुआई के समय खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के 2–3 दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फूंदनाषक दवा का 1.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पष्चात कीटनाशी दवा क्लोरपाईरीफॉस 20 ई.सी. का 8 मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- राजमा की बुआई करें। इसके लिए उदय (पी0डी0आर0–14), अम्बर (आई0आई0पी0आर0–96–4) एवं उत्कर्ष (आई0पी0आर0–98–5) किस्में अनुसंषित है। बीज बुआई की दुरी 30ग10 से0मी0 रखें। बुआई से पहले खेत की जुताई में 50 किलोग्रम नेत्रजन, 50 किलोग्रम फॉसफोरस, 30 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें। बीज को 2 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्षन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुसंषित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 30X20 से0मी0 रखें। बीज को 2.5 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें।
- लहसुन की बुआई करें। गोदावरी (सेलेक्सन–1), श्वेता (सेलेक्सन–10), एग्रीफाउंड डार्करेड (जी–11), एग्रीफाउंड व्हाईट (जी–41), एग्रीफाउंड पार्वती (जी–313), जमुना सफेद–2 (जी0–50), जमुना सफेद–3 (जी0–282), जमुना सफेद–4 (जी0–323) एवं आर0ए0यू0 (जी–5) लहसुन की अनुसंषित किस्में है। बीज दर 300–500 किलोग्राम जावा प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 15X10 से0मी0 रखें।
- रबी प्याज की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए एग्रीफाउण्ड लाईट रेड, अर्का निकेतन, एन 2–4–1, नासिक रेड, पूसा रेड एवं भीमाराज किस्में अनुसंशित है। 20–25 दिनों के नर्सरी से खरपतवार की निकासी करते रहें।

आज का अधिकतम तापमानः 32.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 16.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)